

5. निम्नलिखित छन्दों के लक्षण व उदाहरण लिखिए—
- (i) वसन्ततिलका
- (ii) पुष्पिताग्रा
6. भास के नाटकों की विशेषताएँ बताते हुए संस्कृत साहित्य में भास का स्थान-निर्धारण कीजिए।
7. संस्कृत नीतिकथा-साहित्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. वीणाकर्ण संन्यासी व मूषक की कथा का सार हिन्दी में लिखिए तथा उससे मिलने वाली शिक्षा भी बताइये।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण व उदाहरण बताइए—
- (i) श्लेष
- (ii) रूपक
- (iii) भ्रान्तिमान
- (iv) समासोक्ति

## SA-01

June – Examination 2022

**B.A. (Part I) Examination**

**SANSKRIT**

**(Natak, Katha-Sahitya,  
Chhand Evam Alankar)**

**नाटक, कथा-साहित्य, छन्द एवं अलंकार**

**Paper : SA-01**

*Time : 1½ Hours ]*

*[ Maximum Marks : 70*

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ**

**4×3½=14**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंक का है।

1. (i) यौगन्धरायण ने तपोवन में पद्मावती से क्या याचना की ?
- (ii) वासवदत्ता के पिता का नाम बताइये। वह कहाँ के राजा थे ?
- (iii) वासवदत्ता स्वयं व पद्मावती दोनों की भलाई के लिए पद्मावती की विवाहमाला में किस औषधि का गूँथा जाना आवश्यक समझती है ?
- (iv) वासवदत्ता की माता तथा धाय माँ के नाम बताइये।
- (v) 'हितोपदेश' की रचना किस उद्देश्य की पूर्ति हेतु हुई थी ?
- (vi) व्याघ्र-पथिक कथा के अनुसार पथिक की मृत्यु का कारण क्या बना ?
- (vii) 'हितोपदेश' के अनुसार सञ्चलशील जम्बुक कथा क्या शिक्षा देती है ?
- (viii) कपोत-मूषक कथा में कपोतराज का नाम क्या था ?

खण्ड—ब

4×14=56

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

SA-01/4

( 2 )

T-279

2. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

- (i) विश्रब्धं हरिणाश्चरन्त्यचकिता देशागतप्रत्यया  
वृक्षाः पुष्पफलैः समृद्धविटपाः सर्वे दया रक्षिताः।  
भूयिष्ठं कपिलानि गोकुलधनान्यक्षेत्रवत्यो दिशो  
निःसन्धिग्धमिदं तपोवनमयं धूमो हि बह्वाश्रयः॥

- (ii) दुःखं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः

स्मृत्वा समृत्वा याति दुःखं नवत्वम्।

यात्रात्वेष्टा यद् विमुच्येह वाष्पं

प्राप्तानृण्या याति बुद्धिः प्रसादम्॥

3. वासवदत्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए।।

4. दो सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

- (i) तथा परिश्रमः परिखेदं नोत्पादयति यथेयं परिभवः।
- (ii) अनतिक्रमणीयो हि विधिः।
- (iii) सत्कारो हि नाम सत्कारेण प्रतीष्टः प्रीतिमुत्पादयति।
- (iv) कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले ?

SA-01/4

( 3 )

T-279 Turn Over